राग- बागेश्री

थाट – काफी

स्वर - ग व नी कोमल

वर्ज स्वर – आरोहत (रे) व (प) स्वर वर्ज

जाती – ओडव- संपूर्ण

वादी स्वर – म (मध्यम)

संवादी स्वर - सा (षड्ज)

गायनसमय – रात्रीचा दूसरा प्रहर

समप्रकृतीक राग – भीमपलास

आरोह - नि सा ग म ध नी सां

अवरोह – सां नी ध म प ध म ग रे सा

सां नी ध प म ग रे सा

पकड – म ध नी सां नी S ध S, म प ध ग S, म ग रे S सा S

राग विस्तार

(सा) S नि S ध़ S ,म़ ध़ नि S, ध़ नि S नि S साS S,

सा नि ध़ नि सा रे S नि S ध़S, ध़ नि सा ग S, मS ग रे S साSS,

ध़ नि सा ग म S, ग रे मS, सा ग म धS प मS, म प ध गS

म S ग रे S साS, सा नि S, ध़ निS निS साSS